

२३ नमः ॥ इति काया नमः ॥ अस्ति द्विगुण आकाश ॥ ॥ ३० ॥
 श्रुय ॥ वनकवाय नमः ॥ ॥ कलस्याहं युमूल जा वमनिम्बि वसा
 किनि ॥ नृगया सुर्व ॥ ३३ ॥ इयं कायमवलु न ॥ ॥ इति वलमवकाय वज
 लाकाजय यागति ॥ सुन ॥ लालपया का नाया लस नाति ॥ इति वसादि नि
 नादिया सादा वन मे श्रुया सति वया सुर्व ना इ इव ना इति ला वस य
 ॥ व नाति नवा न क य व य व दावा या व म स च व म गति व व ल चि स इ

१
२
३
४
५
६
७
८
९
१०
११
१२
१३
१४
१५
१६
१७
१८
१९
२०
२१
२२
२३
२४
२५
२६
२७
२८
२९
३०
३१
३२
३३
३४
३५
३६
३७
३८
३९
४०
४१
४२
४३
४४
४५
४६
४७
४८
४९
५०
५१
५२
५३
५४
५५
५६
५७
५८
५९
६०
६१
६२
६३
६४
६५
६६
६७
६८
६९
७०
७१
७२
७३
७४
७५
७६
७७
७८
७९
८०
८१
८२
८३
८४
८५
८६
८७
८८
८९
९०
९१
९२
९३
९४
९५
९६
९७
९८
९९
१००

न॥ १॥ दलनिदानावययु विषमार्थग॥ कल्लं कवलिल्लभन॥ नदान
 नकयसुभा मगा नीला रुमयय॥ सीमा दूना यू॥ दोववगतडाक नूना
 कुतुनी गनिवकलमदयि॥ हाकी कालवयू दूया दू॥ कया भूवि भूवि
 श्याय॥ ०॥ सिलाह मगन वरु॥ वैवसी मभवेइगा॥ सुनाम्भाननमनक
 रुवत निलशु कनसि॥ मोद स्याक॥ नू गवद मकि॥ स्याक॥ मू थू मसा
 क॥ विगा॥ कथिन॥ यान स्याक॥ वाहा काल उडाव॥ वात दान सथगेइया॥

वि॥ १॥ वि॥ १॥ ~~वि॥ १॥ वि॥ १॥~~ क॥ दलसह यूअव मासा कथ
 डायु यललिलयू॥ दोन व॥ ग॥ वात॥ ह॥ श्रया ल॥ कना॥ यत॥ ॥ वा
 ग॥ म॥ म॥ यिकी॥ सा॥ जि॥ न॥ का॥ सू॥ क॥ म॥ ल॥ जि॥ न॥ रु॥ क॥ जि॥ ल॥ इ॥ ला॥ न॥
 इ॥ न॥ ड॥ खा॥ य॥ स॥ म॥ हा॥ ग॥ न॥ क॥ स॥ न॥ वा॥ ल॥ न॥ क॥ वा॥ त॥ म॥ म॥ ना॥ म॥ ॥ इ॥ ला॥
 न॥ ॥ य॥ ल॥ ला॥ म॥ ल॥ क॥ क॥ ना॥ लि॥ ली॥ क॥ उ॥ स॥ रा॥ ग॥ क॥ लि॥ न॥ वा॥ ल॥ न॥ क॥ वा॥ त॥
 ल॥ म॥ म॥ ना॥ म॥ ॥ ना॥ लि॥ स॥ य॥ ल॥ ला॥ म॥ ल॥ क॥ क॥ ना॥ लि॥ ०३०॥ व॥ स॥ ला॥ र॥ ल॥

वं लाय, ५ यातक कुत, संताग, कली न दालनक, वाग, सुष नास ॥
 ॥ युकला मू, ०० डेड, ऐ कतुर्व लाय, वं स लाय, सुकया ल, संताग क
 की न दालनक, वात सुष नास ॥ धने वात सुष नास ॥
 चित्त ना, सुष ना, निता ल क न दत का डा, चित्त सुष ना दि सि यी
 चित्त सुष ना दान, सै यै लिका ति का य गात दा, मा हा का ल, लु रि ए वा, नू
 इत दा हा मूरु सति, चित्त, सुष ना लो क ति ॥ १० ॥ सु कतु डवा ड, नया थ ड निव

सल २ का यु, मा सा क वयू, नू रि म ड, या सु या यु ड वतु नू वि ही न व नि
 चित्त सुष ना चित्त न ॥ ॥ चित्त सुष ना चित्त नि ॥ उर ल, कू शु हा म
 रु, ३ मा ८ ल र, ध ग, का क दा सी ता न क चित्त सुष ना सा ॥ सु क ड ड ड
 न, वाल, कू शु हा, ल तै र व ड न, ७०, ध ग, का क दा स, ता न क चित्त सुष
 ना सा ॥ ॥ अ ति ली हा, सु क क शा ल, वं स क ला य न, न वं वा र, संताग, सा सु व
 चित्त, दि न य गी मू ८, ल क कि न वा र न क, चित्त सुष ना सा ॥ ॥ न व

५३ क म्या ल्वा त क ध ग व रि सा स क सि न वा न क वि ग ह वा न
 सा ध न यि ह स य म या ॥ ॥ ला वा ति ह न व ट का ॥ म न स नि वा न न ४ क
 दा रि त म द ग म न ॥ क सि न व ग व वा हि नि गु दा व का य क ह या क ति १
 ग ल्हा न वि द्यु ता ॥ सी ० ॥ ला वा ति गु व गी का व र्थ ना दि स नि ब इ व वि न
 सा ला ह न व नि द उ तु न इ व न म द यि उ तु न इ व न द य ॥ गु दा व क व
 ल यु आ ना दि चि न स य ॥ गु दा व य न द न हि ल सा ला य न लु ता नि वा ना

५३ हि दि स ग य स ड म्भ र्ण व लि वा ना वि लो म म व स ॥ क ह स ला गु ग र्ण
 स त र्थ क य ल क ठ न क ध ना सा र ल क्का ना म द ला ना र द म न म्भ क
 ता स र्थ सी या क गु लु ता म्भ द ल स र वि हा या क र दौ वा ना स नि वा न क र्ण न
 क ति ॥ ॥ मा द स न कि व वा स रा य क द म्भ ड म्भ व द सा क र न ति ना म्भ
 उ ना वि का ना ता न नि वि रा य ल ल व न म द य लु ति क गा व क ध स रि न
 मि नि व उा व स क हा र्द स रा क र का ध इ व न द य उ ल रा स र्द नि व क र

१७४
 कथासु कथुसु ये नान्यान् यदा वनताननिवृत्ताः सन्त वाक्यं सु
 धनं सन्निधानं यान्ति न ह्यस्य ॥ ॥ धनं निवृत्तिं निदानं काया जिह्वा विदोष
 वनस्य दन्ति नामास्तु ताविकं लक्ष्म्यामारुवं चिन्तयन्तु इत्युक्तं वाक्यं ८
 ना॥ सन्निधानं सन्निधानं कायं स्यात् तावन्नायायं वागविक्रयः ॥
 हृदयं नदन्ति वृत्तं वृत्तं वृत्तं विरुद्धं ॥ ॥ शब्दं वृत्तं यत्नं वृत्तं वृत्तं
 विक्रयः ॥ ॥ कृतास्तु तावन्नायायं सन्निधानं विक्रयं वृत्तं मिनिनं मिनिनं

॥ कृया लिखत कन वञ्जीना ॥ महाकयूगनिवृत्तनाथो लक्ष्म
 ॥ कृमेदयू ॥ सति वातयात्र कन स्या ॥ धनमिभूतिलक्ष्म
 ॥ वात वृष्टीदमूर्तु सदनकदलागानीलकवनरावधिर्लक्ष्मि
 ॥ दक्षरुचि ॥ वातयात्रायायुचितयात्रायायुलक्ष्म
 ॥ नयायुद्वयात्रायायुलक्ष्म ॥ सति वातयुक्तगत्यादत
 ॥ कन ॥ सति वातयात्रायायुलक्ष्म ॥ सति वातयात्रायायुलक्ष्म

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

निः स्व ता द ग र व न ॥ काम क्रा व व ग व नि, वि ना नि ता र य ॥ ३ ॥
 क ल ना दि चि न या ॥ क ल, क य ल वू द व, म्फा क व ना चि, व ग, म नि
 व, का मा स क री, क्रा व र्, व ग न स नि व ॥ चि ता स, र म्, ल, चि न ल, ह नि व
 ॥ ॥ ॥ र ना रि र्, म इ व र म हा र ना दै, क य न, का म ल, का र या द्रा वि, का
 व यि न तु या म ना ता, उ ना रि र्, म कू य ति, उ त हा मा य ल क र् ॥
 उ ना रि ग क ल, क ल उ व ग, क ल य य, उ व य, क ता य, उ त न जा क ल, क र्, य य ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

य य द्या वि ता व रु ति च मा न, मा स मृ ता या न रु ति नि ॥ अ ति वि ना र्, चि ता स
 ॥ जि र्, रु ति र्, म यं ॥ ॥ ना दि य वा द य, व ग न स नि व, अ ति र्, न र्, य, उ द
 यि व, धू ति र्, ल क उ, ध ला गि मा य म दा ॥ ॥ अ क नि डा हा य, र्, व ना, म
 ग व ड, म र्, ता ग ता व, व वा न क ल, अ मा क ल य नि, म ग ति, न द द्या, र्, र्, व
 र्, ॥ ॥ न ग जि व, अ ग रु लि, अ म्फा य ल क य, द्वा रि य ग ति व, अ हा र्, क
 व व द, अ मा क, उ व ल क य, र्, द न द्या ग या य म्फा ल, मा य क र्, म ति व ॥

२५१ पं०

[illegible]

वलदाव, सायम ३॥ ॥ अथ वाध धि न, ह्र वा, आ दि यं, मुर्गि म द
 यु, धन, धन, कन व निज, मरु का यु, या न या ३, ला हा वा द, ०० वृ
 द म ध य द, ग ३ २ हि लि द, अ जि न या ल क न ध ॥ ॥ ल व य दि त ल य
 जि न ला लि द न म रु ल, ध न स, रु मा य का ल इ वि ल, अ जि न श य, हा
 यि द, नू ग ३ म दि नि द, वा कि लि हा यि ल, यि क यि द, ध न, हा वा द द
 य द, क न व ग य सा य ॥ ॥ ध श ना वा सा, व ल दा वा, आ सा वा र

५१२२

[illegible]

ॐ नमः शिवाय ॥ काम जाति कस क तु ल ध न व न व ॥ ध्यास लायया ॥
 विवलि अलाग सास वि काया दे गन क न ध न स मला मया दा व न व
 सुद सगान ध न स यात क द ध स क षाय क न व व न स्या ल्य क द ल
 रि स ॥ गति ध लि सान स धू अ उ म द म ल र विव नि स ॥
 ल रु ल द गु ल्वा न म म सा ह न अ व य वा ना द व न क स म ला ग व
 न या द न ध लि ति स का स न आ मा ति सान ग ह नि ल क अ ति स म अ

मिमूड यतस्याल रिग धयानाम् विहृतगजिबुन ॥ १३ ॥ रयन
 लि कालक्षानहाया निहाहाहाह व द्यासु दिवादि न च जायते ॥ कद
 युलिन कलुषा न स मृत्तु र विद्वति ॥ ॥ नागि सदमदम सव हसु
 दिनमरिचू उवाहू क क लू सलु सानयिद ले पू धयि ग्व लागि मृ
 सूरु ॥ ॥ ॥ नूनि लां जाउ यि रुच यि ला जा नि क रु गृ हा ॥ क रु स
 क लु मा ॥ ३ ॥ इ ल रु त म् जि वि री ॥ ॥ वा ग चि त् लु स क लू स यित

१३

गंधसाससु नर वत क ना सु वि यु निरक ० सु म जि यु ना
 ग स ग य ॥ ॥ सुतना आ दिन ग व सु द व क न व द ता न क
 र स थ न क ना न व रु व ता ल धु ला गा म सि क र स य म् मा न ॥ ॥
 ला स न र स र्ज वा क् स न स्या ल य न व रु नु रि ल बा र य द स ग
 व ना तु स ग य ॥ ॥ वा स न म् ना स ना स च च न लु ल्य अ न लं च द म या
 क ध न र ता ल धु ला गि सिय म रु ॥ ॥ ॥ य त लि त या नि दान ॥ ॥

॥ अथ विष्णु चरितम् ॥

कृति का श्रुति नञ् ॥ १ ॥ ॥ **विष्णु चरितम्** ॥ ॥
निर्गलननयोवाता चित्ताद्यः । कश्चि कामगः । अथाधिक एतियस्या सनि
यामयतुथर्कः ॥ ॥ वातनववचिकु क्रियकमवयु चितनववचिकु
अङ्गलजयु । यद्गमववचिकु सत्रियानिक धायः ॥ ॥ **विष्णु चरितम्**
निकयति वृत्तावातक कामक वात विष्णु सिमाग्र हिती विषय
रुमियकः ॥ ॥ चित्त्वावन एक समस विष्णु दवायु व वात वि

॥ अथ विष्णु चरितम् ॥

न नमादस्यादवयुव सनि वातन ~~स~~ सारि स्यादव । यवः ॥ १ ॥ **वि**
कृत्वा यथार्थिकी ॥ ॥ ॥ ॥ कश्चालस्य ३ वातक ३ लवद ३ लज्जलार
म ३ जितकाम ३ जिन ३ विचलिम ३ रुकजिलन ३ काल वा सम ३ न
यक ३ म ३ साधुम ३ २ ॥ ॥ दिन पुनीम २ टि अरु नववचि नामः ॥ ॥ **द**
लुप्त्युनह नममयियकः । ॥ ॥ कश्चालि कान निनी स्वात ३ ॥ ॥ दिन
३ कागल वव चिकु नामः ॥ ३ ॥ ॥ नवक अरुह कश्चालिका ३ ॥ ॥ ३ ॥

अथ श्रीगणेशाय नमः

३१
स्वानुग्रहोत्पत्तिः २ युवा किं चित्तात्तिः कर्म तादृहिषद्वयं शुद्धिर्गु
नास ॥ ॥ नायम् यत्कश्चिद्ददास ता नकं अमूलनाम ॥
अमूलनामं कलत्रं सावस मरागं धमासा गसुते ल अमूलनाम
॥ ॥ कर्ते न ॥ ॥ द्वि ॥ रुमल माहल ति ज साधु न धर्मना
नत ल अर्गु अयाम् लक नामा ॥ ॥ धन अमूलनाम ॥ ॥
मना गा विन बाहुय नादि मदन ना वन ॥ अमूलनाम वन ॥

३१

अथ श्रीगणेशाय नमः

३२
॥ सा गवि सा मा ग लिय नि ॥ ॥ अमि मदन शत्रु का व नादि म
या ज सा ला रु न स नि व ॥ हि वा व या ना दि का का व सा ग सी व ग न
स नि व दि का मि शत्रु का व ॥ ० ॥ ॥ ३ वा ग म यि ना रु या न दा व ग
व नि सि ला व या ना रु दि न स सा रु क स व रु ति दि ना ॥ ॥ स
लि न सु व शत्रु का ज ना दि यि ल न स नि व रु क ना व यि द न द या न
दि वा स स नि व अ व न या व रु क ई यो दे वा ग व नि य व न य ई ई न

श्री गौवच्छोय नय कामदय के वै के यिन नातिवहन विद ॥ ॥ मदा
 जि, तिहागि विव मागि, र मागि, धु यन वि वि ॥ ॥ वाग या मना
 जि, यिन या, तिहागि, र मागि, विव मागि ॥ ॥ अति नु सा दि कि सा
 काय ॥ ॥ टुकु, जिल, ॐ मून सव, समराग, हि गु गु ना, नू वना
 ग, नया क ॥ दलन वाग, का क ज स, थू, यथ म के व ल स, न सी, अ
 जि लु नाय ॥ धवाग ल या नाम रि गु न क ॥ ॥ हि गु स व, ॐ मी
 व का, समराग, नया क नू, नय, द स, अति नु या नाय ॥ ॥

[illegible]

नयाव न गनयाथ नयन कलकाव कूल सिगनक गृद चिन्
युधदागुन नूयद स्या कलमानयित अजि नुनास ॥ धवा गुयान
म वृह संयादि व्यय ॥ यियलि म ६ ७ १० म २६ धनयाइगन
सि सायल न म १ कलि नवाननक अजि म १ नास ॥ गुदम
ल सियायु ५ ल विज सि घाग क वान मु सु ७ १० सलाग ५६
लि तिस का स गाद समुत्तुध काद वया रि क व ॥ ॥ अतुजा

सुखलव न लदा वृज यु ॥ यला विज यु मु नि नि स्य गाद
कि मि नास ॥ मयू ल सिडा हा कु तु न स्य गाद ॥ कि मि नास ॥
वा नाद वृ ग ग नादि व य ला दि रु वा दि नि ॥ सु ग म सु वा व नि न
लि गी मि धा तु गी दा व ग म ॥ ॥ वा ग ना ति व कृ ग यु घि ग ना ति
आ स स नि ल स मा ति धि ले न स नि ई द ना दि ने ग र ले कृ न द यु
गी दा व ना दि गी वि धी रु व स का या धी व रु ल वि व कृ ली य र ल स

नयाव न गनयाथ नयन कलकाव कूल सिगनक गृद चिन्
युधदागुन नूयद स्या कलमानयित अजि नुनास ॥ धवा गुयान
म वृह संयादि व्यय ॥ यियलि म ६ ७ १० म २६ धनयाइगन
सि सायल न म १ कलि नवाननक अजि म १ नास ॥ गुदम
ल सियायु ५ ल विज सि घाग क वान मु सु ७ १० सलाग ५६
लि तिस का स गाद समुत्तुध काद वया रि क व ॥ ॥ अतुजा

कृष्णनादिविद्यालयाय ॥ अत्र स्यात् ३३ सृजयवा लुक्कलाय
 गतं मन्त्रं कृन्नादं जययलयाहनं आकलयेत वायुं जययल
 माराग ३ साहगर्भं नलकमं धृत्वा त्रयया ३३ वनीयं सति ५५
 लंगनकं मत्तं छिद्रं तयथदं दिक्कमतं स्वादुलं सति आनादं नृकं
 थयविधिः ॥ गतिरिति आदि रति हामलकुक्या जितं कोनवा
 म्मदं नियादं नय ३३ नयादं क्वायनेयं कामदयकं वेगदयुक्तं

कामदयकं
 वेगदयकं वाग

॥ विनि सिधु शरणा यि यलि समताग द्वायादादं व
 स्तिनवाला नृकं वालकया किमिनास ॥ दिगं रुमिसि गुत्त
 गुत्तवायु कृतं कृतं धृतदास तादं नाथल कृष्णाननं न लगयितन
 म ॥ मृक्षु हवने वायु कृष्ण लकार्यदं गुत्ति सताग वनया
 कृन्ना लकयितं स्यायादि ॥ ३३ विमं ३ गुत्तुन मं ३ धृत्वा
 यल सताग नादं कस आयुनास ॥ यि यलि सवायु जिनि स

कृष्णनादिविद्यालयाय
 गतं मन्त्रं कृन्नादं जययलयाहनं आकलयेत वायुं जययल

२७

कृष्णनादिविद्यालयाय

धुति संरगन, द्वायशला, कसव नि, सुर्वे लो वित, द्वाय का के लो व
 स दा स गान क, ॐ ॥ ३३ ॥ संम सु ८ ७ १ मि ति चि त ना ग क, १ स
 क मि क क, सं व न या दा श ना ॥ ३३ ॥ सं ग ल र व, सु स व दं, का ल ॥ ४
 अ म नि न क, य लि या न जा ग, मि ना ला सि, वृ य ति, ब वा ल
 ध क, सं र ग या दा श ला ॥ ३३ ॥ ३३ ॥ सं सु क ॥ ३३ ॥